Report of Workshop on Decision Making

Organized by: IQAC, Government P.G. Degree College, Berinag

Date: 15th February 2025

Venue: Government P.G. Degree College, Berinag

The Keynote Speaker- Professor B.M. Pandey

Convener: Dr. Lalit Singh, Coordinator, IQAC

Co-Convener: Dr. Lila Dhar Mishra, Coordinator, Institutional Activity Cell

A workshop on **Decision Making** was successfully conducted at Government P.G. Degree College, Berinag, on 15th February 2025. The workshop aimed to enhance decision-making skills among faculty members and emphasize the importance of strategic thinking in professional and personal contexts.

Professor B.M. Pandey, Principal of the Government P.G. College, Berinag was the keynote speaker of the workshop. He elaborated on the concept of decision-making, highlighting that decisions are both a necessity and a compulsion shaped by time and circumstances. He introduced a structured five-step approach to decision-making: Confront, Gather Information, Calculate Cost, Make Decision, and Evaluate/Alteration. Professor Pandey emphasized that no decision is universally correct, as there exists a space between absolute right and wrong. He discussed the Theory of Proportionality, stressing the need to balance means and ends while making decisions. He also warned against generalization in decision-making and illustrated this with thought-provoking examples such as the parable of the Seven Blind Men and the Elephant and the Buddhist concept of the Middle Path (Madhyam Marg).

The session was attended by all faculty members, who actively participated and found the discussion insightful and beneficial. The workshop provided valuable perspectives on rational decision-making, helping faculty enhance their analytical and critical thinking skills. The IQAC Coordinator expresses gratitude to the speaker, organizers, and attendees for their active involvement in making this workshop a success.

Images of the Workshop-

Newspaper report with date -

महाविद्यालय में आई. क्यू. ए. सी. के तत्वावधान में "डिसिजन मेकिंग" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

February 15, 2025 एनएचएल नेटवर्क

Listen to this

एनएचएल नेटवर्क संवाददाता।

एनएचएल नेटवर्क संवाददाता।

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आई. क्यू. ए. सी. के तत्वावधान में "डिसिजन मेकिंग" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय रहे। प्रोफेसर पाण्डेय ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में बताया कि होमो सेपीएन्स के व्यवहार एवं क्रिया-कलापों में निर्णय लेने की क्षमता का बड़ा ही व्यापक महत्व है। यह कार्य प्रणाली में सकारात्मकता को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के किसी भी क्षेत्र का निर्णय सामयिक दृष्टि से अस्थायी एवं लचीला होना चाहिए। उन्होंने निर्णय लेने की क्षमता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मनुष्य हमेशा विश्वास एवं संदेह से घिरा हुआ होता है ऐसी स्थिति में उसे विश्वास के साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए। उन्होंने परिस्थितिजन्य निर्णय के विषय पर भी विस्तृत चर्चा करते हुए समस्त प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यशाला का आयोजन आई. क्यू. ए. सी. कोऑर्डिनेटर डॉ. ललित सिंह रावत, डॉ.लीलाधर मिश्र के संयोजकत्व में किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

बेरीनाग महाविद्यालय में आई. क्यू.ए.सी.के तत्वावधान में डिसिजन मेकिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रूद्र टाइम्स

बेरीनाग (पिथौरागढ़) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में आई. क्यू. ए. सी. के तत्वावधान में षडिसिजन मेकिंगष विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी. एम. पाण्डेय रहे। प्रोफेसर पाण्डेय अपने सारगर्भित व्याख्यान में बताया कि होमो सेपीएन्स के व्यवहार एवं क्रिया–कलापों में निर्णय लेने की क्षमता का बड़ा ही व्यापक महत्व है। यह कार्य प्रणाली में सकारात्मकता को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के किसी भी क्षेत्र का निर्णय सामयिक दृष्टि से अस्थायी एवं लचीला होना चाहिए। उन्होंने निर्णय लेने की क्षमता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मनुष्य हमेशा विश्वास एवं संदेह से घिरा हुआ होता है ऐसी स्थिति में उसे विश्वास के साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए। उन्होंने परिस्थितिजन्य निर्णय के विषय पर भी विस्तृत चर्चा करते हुए समस्त प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यशाला का आयोजन आई. क्यू. ए. सी. कोऑर्डिनेटर डॉ. ललित सिंह रावत, डॉ.लीलाधर मिश्र के संयोजकत्व में किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।